No. of Printed Pages : 6

BPY-010

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

December, 2019

01305

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-010 : EPISTEMOLOGY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer **all** the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

1. Give an account of the methodical continuity between science and epistemology. *20*

OR

Discuss briefly ordinary and extraordinary perception. *20*

2. Write an essay on Kantian epistemology. *20*

OR

Examine knowledge as social praxis. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Explain scope and importance of epistemology. *10*

(b) Critically evaluate the classical theories of truth. *10*

(c) Give an account of Gibson's ecological approach to perception. *10*

(d) Examine coherentism as a method of justification. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Distinguish between a priori and a posteriori. *5*

(b) "There is no basis for drawing a distinction between speech and writing." Briefly comment. *5*

(c) What do you understand by naturalised epistemology ? *5*

(d) What are the different types of inferences ? *5*

(e) Explain briefly, form and matter. *5*

(f) Describe the pragmatic theory of truth. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Virtue Epistemology *4*

(b) Actuality and Potentiality *4*

(c) Shabda Pramana *4*

(d) Synthetic A priori *4*

(e) Association of Ideas *4*

(f) Critical Theory *4*

(g) Doxastic Coherentism *4*

(h) Enthymeme *4*

बी.पी.वाई.-010

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2019

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

*नोट : **सभी पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

1. विज्ञान और ज्ञानमीमांसा के मध्य पद्धतिगत निरन्तरता का एक विवरण प्रस्तुत कीजिए । *20*

अथवा

साधारण एवं असाधारण प्रत्यक्ष ज्ञान की संक्षेप में चर्चा कीजिए । *20*

2. काँट की ज्ञानमीमांसा पर एक निबन्ध लिखिए । *20*

अथवा

सामाजिक आचार के रूप में ज्ञान का परीक्षण कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) ज्ञानमीमांसा के विषय-क्षेत्र एवं महत्त्व की व्याख्या कीजिए । *10*

(ख) सत्य के शास्त्रीय सिद्धान्तों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए । *10*

(ग) गिब्सन की प्रत्यक्ष ज्ञान के प्रति पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण का विवरण दीजिए । *10*

(घ) प्रमाणीकरण की एक पद्धति के रूप में संसक्ततावाद (coherentism) का परीक्षण कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) पूर्वानुभाविक और उत्तरानुभाविक के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए । *5*

(ख) "वाक् और लेखन के मध्य अन्तर करने का कोई आधार नहीं है ।" संक्षेप में टिप्पणी कीजिए । *5*

(ग) प्रकृतिकृत ज्ञानमीमांसा से आप क्या समझते हैं ? *5*

(घ) विभिन्न प्रकार के अनुमान कौन-से हैं ? *5*

(ङ) रूप और पदार्थ की संक्षेप में व्याख्या कीजिए । *5*

(च) सत्य के उपयोगितावादी (व्यावहारिक) सिद्धान्त का वर्णन कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सद्‌गुण ज्ञानमीमांसा *4*

(ख) वास्तविकता (Actuality) और संभाव्यता (Potentiality) *4*

(ग) शब्द प्रमाण *4*

(घ) संश्लेषणात्मक पूर्वानुभाविक *4*

(ङ) प्रत्ययों का साहचर्य *4*

(च) आलोचनात्मक सिद्धांत *4*

(छ) डॉक्सास्टिक संसक्ततावाद *4*

(ज) लुप्तावयव हेत्वानुमान (न्यायवाक्य) (Enthymeme) *4*